www.a2zSubjects.com

PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 7 3 1 4

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – III

प्रश्नपत्र – III

Paper – III

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति**: **(75)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. नामकरणं भवति –

नामकरण होता है –

The ceremony of नामकरण happens is –

(A) त्रयोदशेऽह्नि (B) एकविंशत्यह्नि

(C) त्रिंशदह्नि (D) द्वादशकेऽह्नि

2. व्ययेऽब्जभार्गवौ अशुभौ भवत: –

व्यय में अब्ज - भार्गव अशुभ होते हैं –

व्ययेऽब्जभार्गवौ is not good (अशुभ) –

(A) ब्रतबन्धे (B) द्विरागमने

(C) विवाहे (D) गृहप्रवेशे

3. मिश्रसंज्ञकनक्षत्रमस्ति –

मिश्र संज्ञकनक्षत्र है –

मिश्रसंज्ञकनक्षत्र is –

(A) स्वाती (B) धनिष्ठा

(C) विशाखा (D) अनुराधा

4. अद्यस्था कक्षाऽस्ति –

अद्यस्थ कक्षा है –

अद्यस्था कक्षा is –

(A) गुरो: (B) भौमस्य

(C) चन्द्रस्य (D) बुधस्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. सूर्येन्दु भगणान्तरं भवति –
सूर्येन्दु भगणान्तर होता है –
सूर्येन्दु भगणान्तर is –

(A) सौरमास: (B) चान्द्रमास:
(C) सावनमास: (D) नाक्षत्रमास:

6. अर्कग्रहणे छादको भवति –
अर्कग्रहण में छादक होता है –
In अर्कग्रहण, छादक is –

(A) भूमा (B) राहु:
(C) चन्द्र: (D) मेघ:

7. 'शिवेहि' इत्यत्र पररूपमेकादेश: सूत्रेण भवति –
'शिवेहि' में पररूप-एकादेश: सूत्र से होता है –
In the word 'शिवेहि' पररूप - एकादेश occurs by the rule –

(A) एङि पररूपम् (B) एङ: पदान्तादति
(C) ओमाङोश्च (D) अव्यक्तानुकरणस्यात इतौ

8. अपादानादिविशेषैरविवक्षितं कारकं.....संज्ञं - स्यात् –
अपादानादिविशेषों से अविवक्षित कारक में.... संज्ञा होगी –
The कारक Which is अविवक्षित by अपादानादिविशेष is called –

(A) कर्म (B) करण
(C) अपादान (D) अधिकरणम्

9. 'युवति:' इत्यत्र युवन् शब्दात्..... प्रत्यय: भवति –
'युवति:' में युवन् शब्द से प्रत्यय होता है –
In the word 'युवति:' the Suffix (प्रत्यय) after the word 'युवन्' is –

(A) तिप् (B) क्तिन्
(C) ति (D) ङीष्

10. 'पुरुषप्रवृत्यनुकूलभावकव्यापारविशेषरूपा' – अस्ति –
'पुरुषप्रवृत्यनुकूलभावकव्यापारविशेषरूपा' – है –
'पुरुषप्रवृत्यनुकूलभावकव्यापारविशेषरूपा' – is –

(A) आर्थीभावना (B) लिङ्गान्तरभावना
(C) शाब्दीभावना (D) विभावना

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

11. 'असपिण्डं द्विजं प्रेतं विप्रो निर्हत्य बन्धुवत्' – विशुद्धयति –
'असपिण्डं द्विजं प्रेतं विप्रो निर्हत्य बन्धुवत्' – विशुद्ध होता है –
'असपिण्डं द्विजं प्रेतं विप्रो निर्हत्य बन्धुवत्' – is विशुद्ध –

(A) त्रिरात्रेण (B) नवरात्रेण
(C) पञ्चरात्रेण (D) दशरात्रेण

12. ब्राह्मणात् शूद्रायां जात: भवति –
ब्राह्मणपुरुष शूद्रास्त्री से जात है –
The son who is produced from a – ब्राह्मणपुरुष and शूद्रास्त्री is called –

(A) पारशव: (B) रथकार:
(C) पुल्कस: (D) सूत:

13. संयोगसमवायिकारणतावच्छेदकता अस्ति –
संयोगसमवायिकारणतावच्छेदकता – है –
संयोगसमवायिकारणतावच्छेदकता – is –

(A) सत्तायाम् (B) द्रव्यत्वे
(C) गुणवत्त्वे (D) पृथिवीत्वे

14. द्वीन्द्रियग्राह्यो भवति –
द्वीन्द्रियग्राह्यो है –
द्वीन्द्रियग्राह्यो is –

(A) संख्या (B) रूपम्
(C) संस्कार: (D) विभाग:

15. कारणात्मना कार्यमस्तीति स्वीकुर्वन्ति –
कारण के स्वरूप में कार्य है ऐसे मानते है –
कारणात्मना कार्यमस्तीति – this is accepted by –

(A) जैना: (B) सांख्या:
(C) बौद्धा: (D) वैयाकरणा:

16. वायुपुराणे _____ माहात्म्यं वर्णितमस्ति –
वायुपुराण में _____ माहात्म्य वर्णित है –
The greatness of _____ is described in वायुपुराण –

(A) शिवस्य (B) जगन्नाथस्य
(C) हयग्रीवस्य (D) व्यासस्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. शान्तिपर्वणि बलस्याङ्गानि भवन्ति –

शान्तिपर्व में बल के अङ्ग होते हैं –

Parts of बल is the शान्तिपर्व are –

(A) सप्त (B) षट्

(C) नव (D) पञ्च

18. प्राजापत्यात्सत्यलोक: _____ योजनेन संयुत: भवति –

प्राजापत्यात्सत्यलोक: _____ योजनेन सयुत है –

The distance (योजन) from प्राजापत्यलोक to – सत्यलोक is –

(A) कोटित्रयेण (B) कोटिनवेन

(C) कोटिषट्केन (D) एकेन

19. अलङ्कारसुधानिधिकर्त्ता भवति –

अलङ्कारसुधानिधि का कर्ता है –

The composer of अलंकारसुधानिधि is –

(A) भट्ट भास्कर: (B) जगन्नाथ:

(C) मम्मट: (D) सायण:

20. वर्णस्वराद्युच्चारणप्रकारो नास्ति –

वर्णस्वराद्युच्चारणप्रकार नेहीं है –

There is no fixed rule of वर्णस्वराद्युच्चारण is –

(A) वेदे (B) शिक्षायाम्

(C) कल्पे (D) तैत्तिरीयब्राह्मणे

21. सामवेदस्य शिक्षा भवति –

सामवेद की शिक्षा है –

The शिक्षा of the सामवेद is –

(A) बादरायणीया (B) गौतमी

(C) भारद्वाजीया (D) वासिष्ठी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

22. "शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि ।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि ।।" इति – काव्यलक्षणमस्ति –
"शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि ।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि ।।" इति – यह काव्यलक्षण है –
"शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि ।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि ।।" इति – this definition of काव्य is –

(A) भामहस्य (B) वामनस्य
(C) कुन्तकस्य (D) महिमभट्टस्य

23. 'विरतास्वभिधाद्यासु ययार्थो बोध्यते पर: ।
सा वृत्ति:....' कथ्यते –
'विरतास्वभिधाद्यासु ययार्थो बोध्यते पर: ।
सा वृत्ति:....' कहलाती है –
'विरतास्वभिधाद्यासु ययार्थो बोध्यते पर: ।
सा वृत्ति:....' this वृत्ति is called –

(A) अभिधा (B) तात्पर्या
(C) लक्षणा (D) व्यञ्जना

24. काव्ये शान्तरसस्य संस्थापकोऽस्ति –
काव्य में शान्तरस के संस्थापक हैं –
In काव्य, the Propounder (संस्थापक) of शान्तरस is –

(A) मम्मट: (B) महिमभट्ट:
(C) वामन: (D) भामह:

25. 'क्रियाया: प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्ति:' – अलङ्कारो भवति –
'क्रियाया: प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्ति:' – अलङ्कार होता है –
'क्रियाया: प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्ति:' – this अलङ्कार is known as –

(A) समासोक्ति: (B) विभावना
(C) विशेषोक्ति: (D) निदर्शना

26. अनीश्वरो नाम भवति –
अनीश्वर होता है –
अनीश्वर is –

(A) ईश्वराभाव: (B) ईश्वरभेद:
(C) ईश्वरसदृश: (D) अल्पेश्वर:

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

27. राजा भवतीश्वर इति मतम् –
राजा भवतीश्वर यह मत है –
राजा भवतीश्वर – this view is –

(A) चार्वाकस्य (B) पुराणस्य
(C) जैनस्य (D) अर्थशास्त्रस्य

28. शब्दप्रमाणं न स्वीकुर्वन्ति –
शब्दप्रमाण को स्वीकार नहीं करते हैं –
शब्दप्रमाण is not admitted by –

(A) बौद्धा: (B) गौतमीया:
(C) सांख्या: (D) पौराणिका:

29. ज्ञाननिवर्त्यत्वं भवति –
ज्ञाननिवर्त्यत्वं – होता है –
ज्ञाननिवर्त्यत्वं is –

(A) मिथ्यात्वम् (B) सत्यत्वम्
(C) बाध: (D) उपाधि:

30. संसर्गनवगाहिज्ञानमस्ति –
संसर्गनवगाहि ज्ञान है –
संसर्गनवगाहिज्ञान is –

(A) अज्ञानम् (B) निर्विकल्पकम्
(C) सविकल्पकम् (D) शाब्दबोध:

31. अशेषसाधनाश्रयाश्रितसाध्यसामानाधिकरण्यं भवति –
अशेषसाधनाश्रयाश्रितसाध्यसामानाधिकरण्यं - है –
अशेषसाधनाश्रयाश्रितसाध्यसामानाधिकरण्यं is

(A) व्याप्ति: (B) अनुमिति:
(C) मिथ्यात्वम् (D) सत्त्वम्

32. निजनिजगणमध्ये भवति –
निजनिजगण में होती है –
It happens is निजनिजगणमध्ये –

(A) प्रीति: (B) उन्नति:
(C) प्रोन्नति: (D) सम्मति:

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. चतुर्षु स्थानेषु यदि ग्रहा: स्युस्तर्हि भवति –

चार स्थानों में ग्रह हों तो होता है –

If ग्रहs occur in four places, there is –

(A) हसयोग: (B) केदारयोग:

(C) अमलयोग: (D) मालव्ययोग:

34. योगिन्यां संकटादशामानं भवति –

योगिनी में संकटादशा का मान होता है –

संकटादशा in योगिनी becomes –

(A) त्रिवर्षाणि (B) पञ्चवर्षाणि

(C) सप्तवर्षाणि (D) अष्टवर्षाणि

35. दिग्ज्या भवति –

दिग्ज्या होती है –

दिग्ज्या is –

(A) क्षितिजवृत्ते (B) दृग्वृत्ते

(C) अहोरात्रवृत्ते (D) क्रमनिवृत्ते

36. भूमा भ्रमति –

भूमा भ्रमण करती है –

भूमा go is –

(A) चन्द्रविमण्डले (B) क्रान्तिमण्डले

(C) नाड़ीमण्डले (D) क्षितिजवृत्ते

37. तिथ्यन्तसूर्योदययोर्मध्ये तिष्ठति –

तिथ्यन्त और सूर्योदय के मध्य में रहता है –

In between तिथ्यन्त and सूर्योदय there - is –

(A) अधिशेषम् (B) तिथिशेषम्

(C) अवमशेषम् (D) भशेषम्

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

38. "इदमाद्यं पदस्थानं सिद्धिसोपानपर्वणाम्" – इत्यत्र इदमिति पदस्यार्थो भवति –

"इदमाद्यं पदस्थानं सिद्धिसोपानपर्वणाम्" – में 'इदम्' का अर्थ है

"इदमाद्यं पदस्थानं सिद्धिसोपानपर्वणाम्" – here the meaning of the 'इदम्' is –

(A) साहित्यम्
(B) व्याकरणम्
(C) दर्शनम्
(D) निरुक्तम्

39. "अनादिनिधनं ब्रह्म" भवति –

"अनादिनिधनं ब्रह्म" होता है –

"अनादिनिधनं ब्रह्म" is –

(A) शब्दतत्त्वम्
(B) अर्थतत्त्वम्
(C) वाक्यतत्त्वम्
(D) काव्यतत्त्वम्

40. "प्रियंवदः" इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति –

"प्रियंवदः" में प्रत्यय हुआ है –

The प्रत्यय is the word "प्रियंवदः" is –

(A) अच्
(B) अण्
(C) खच्
(D) खश्

41. पुराकल्पार्थवादस्योदाहरणं भवति –

पुराकल्पार्थवाद का उदाहरण है –

The illustration of पुराकल्पार्थवाद is –

(A) अग्निर्वा अकामयत ।
(B) शोभतेऽस्य मुखं च एवं वेद ।
(C) तमशपदधिया धियात्वा वध्यासुः ।
(D) असत्रं वा एतद् यदच्छन्दोमम् ।

42. अमावास्यायां प्रधानयागाः भवन्ति –

अमावास्या में प्रधानयाग होते हैं –

प्रधानयाग in अमावस्या is –

(A) चत्वारः
(B) त्रयः
(C) षट्
(D) पञ्च

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. दर्शपूर्णमासयागे अङ्गयागा: भवन्ति –
दर्शपूर्णमास में अङ्गयाग होते हैं –
अङ्गयागs in दर्शपूर्णमासयाग are –

(A) पञ्च (B) षट्
(C) नव (D) चत्वार:

44. 'अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वं' भवति –
'अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वं' - है –
'अत्यन्ताभावाप्रतियोगित्वं' is –

(A) केवलान्वयित्वम् (B) व्यतिरेकत्वम्
(C) वाच्यत्वम् (D) व्याप्ति:

45. अव्याप्यवृत्तित्वं नास्ति –
'अव्याप्यवृत्तित्वम्' नहीं है –
There is no अव्याप्यवृत्तित्व in –

(A) शब्दे (B) ज्ञाने
(C) द्रव्यत्वे (D) संयोगे

46. रूपत्वस्य प्रत्यक्षं प्रति सन्निकर्षो भवति –
रूपत्वस्य प्रत्यक्षं प्रति सन्निकर्ष: - होता है –
The सन्निकर्ष in the perception of - रूपत्व is –

(A) संयोग:
(B) संयुक्तसमवेतसमवाय:
(C) समवेतसमवाय:
(D) समवाय:

47. प्रकृतित्वमात्रमस्ति –
"प्रकृतित्वमात्रम्" – है –
There is 'प्रकृतित्वमात्रम्' in –

(A) पुरुषे (B) महत्त्वे
(C) तन्मात्रेषु (D) अव्यक्ते

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

48. भोजवृत्तिरस्ति –
भोजवृत्ति है –
भोजवृत्ति is –
(A) सांख्यसूत्राणाम् (B) योगसूत्राणाम्
(C) धर्मसूत्राणाम् (D) गौतमसूत्राणाम्

49. कालानवच्छिन्न: प्रणववाच्यो भवति –
कालानवच्छिन्न प्रणववाच्य होता है –
कालानवच्छिन्न प्रणववाच्य is –
(A) धर्म: (B) वेद:
(C) ईश्वर: (D) प्रकृति:

50. 'सविकल्पकं प्रत्यक्षं न भवति' – इत्यत्र – सौगतमीमांसकयोर्मतभेद: –
'सविकल्पकं प्रत्यक्षं न भवति' यहाँ सौगतमीमांसको में भेद है –
'सविकल्पकं प्रत्यक्षं न भवति' – here is difference between सौगतs and मीमांसकs –
(A) नास्ति (B) अस्ति
(C) प्रमाणसत्त्वात् (D) प्रमाणाभावात्

51. "भूतेभ्य: चैतन्यमुपजायते" – इति वदन्ति –
"भूतेभ्य: चैतन्यमुपजायते" – ऐसा कहते हैं –
"भूतेभ्य: चैतन्यमुपजायते" – they say so –
(A) जैना: (B) बौद्धा:
(C) चार्वाका: (D) सांख्या:

52. कायवाङ्मनोनिग्रहभेदा: सन्ति –
कायवाङ्मनोनिग्रह भेद हैं –
There is difference in काव्यवाङ्मनो – निग्रह –
(A) संवरस्य (B) गुप्ते:
(C) समिते: (D) प्रदेशबन्धस्य

53. हस्तस्वरो भवति –
हस्तस्वर होता है –
हस्तस्वर occurs in –
(A) शुक्लयजुर्वेदे (B) गोपथब्राह्मणे
(C) धनुर्वेदे (D) सामवेदे

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

54. चत्वारिंशत्तमाध्याये भवति शुक्लयजुष: –
शुक्लयजुर्वेद का चालीसवाँ अध्याय में है –
In the 40th Chapter of शुक्लयजुर्वेद – there is –

(A) ईशोपनिषत्
(B) ऐतरेयोपनिषत्
(C) केनोपनिषत्
(D) माण्डूक्योपनिषत्

55. श्रीरुद्राध्यायोऽस्ति –
श्रीरूद्राध्याय है –
श्रीरुद्राध्याय is –

(A) संहितायाम्
(B) ब्राह्मणे
(C) उपनिषदि
(D) आरण्यके

56. त्रिविधास्तत्र नीचमध्योच्चभेदतो भवन्ति –
त्रिविधास्तत्र नीचमध्योच्च के भेद से होते है –
There are three types नीचमध्योच्च –

(A) अमुक्ता:
(B) देवा:
(C) मृगा:
(D) जड़ा:

57. जीवेश्वराभेदो नागमस्य तात्पर्यमिति वदन्ति –
जीवेश्वराभेदो नागमस्य तात्पर्यमिति कहते हैं –
जीवेश्वराभेदो नागमस्य तात्पर्यमिति – it is told by –

(A) सुरेश्वराचार्य:
(B) भास्कराचार्य:
(C) आनन्दतीर्थ:
(D) भारतीतीर्थ:

58. प्राज्ञमतविरुद्धवाद इति अर्थो भवति –
'प्राज्ञमतविरुद्धवाद' यह अर्थ होता है –
'प्राज्ञमतविरुद्धवाद' is the view of –

(A) प्रज्ञावादस्य
(B) प्रज्ञानस्य
(C) शक्तिवादस्य
(D) संघातवादस्य

59. खटवाङ्गकपालधारणपूर्वकं प्रायश्चितं भवति –
"खट्वाङ्गकपालधारणपूर्वकं प्रायश्चितं" है –
"खट्वाङ्गकपालधारणपूर्वकं प्रायश्चितं" is –

(A) ब्रह्मघातकस्य
(B) सुरापस्य
(C) गुरुतल्पस्य
(D) स्तेनस्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

60. 'गरद:' इत्यस्यार्थो भवति –

'गरद:' इसका अर्थ है –

'गरद:' the meaning of this, is –

(A) अगारदाही (B) विषदाता

(C) सोमविकेता (D) गृहकर्त्ता

61. 'पुत्रिकायां कृतायां तु यदि पुत्रोऽनुजायते' – इत्यत्र विभागो भवति –

'पुत्रिकायां कृतायां तु यदि पुत्रोऽनुजायते' – यहाँ विभाग होता है –

'पुत्रिकायां कृतायां तु यदि पुत्रोऽनुजायते' – There is विभाग here –

(A) सम: (B) विषम:

(C) अर्द्धांश: (D) पादोन:

62. मम्मटाचार्येण काव्यप्रयोजनानि प्रतिपादितानि –

मम्मटाचार्य ने काव्य के प्रयोजन बतलाए हैं –

According to – मम्मटाचार्य, प्रयोजनs (utility) of काव्य are –

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) पञ्च (D) षट्

63. चत्वारो काव्यभेदा: निरूपिता: –

चार काव्यभेदों का निरूपण किया है –

Four divisions of काव्य has been propounded by –

(A) भामहेन (B) मम्मटेन

(C) जगन्नाथेन (D) विश्वनाथेन

64. ".....विना रुचिं प्रतनुते नालङ्कृतिर्नो गुणा:" – अत्र समुचितेन विकल्पेन रिक्तस्थानस्य - पूर्त्ति: करणीया –

".....विना रुचिं प्रतनुते नालङ्कृतिर्नो गुणा:" – यह समुचित विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

".....विना रुचिं प्रतनुते नालङ्कृतिर्नो गुणा:" – fill in the gaps with appropriate words –

(A) संयोगेन (B) औचित्येन

(C) सौभाग्येन (D) शृङ्गारेण

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

65. "माधुर्योज: प्रसादाख्या: त्रयस्ते न पुनर्दश" - इति मतमस्ति –
"माधुर्योज: प्रसादाख्या: त्रयस्ते न पुनर्दश" - यह मत है –
"माधुर्योज: प्रसादाख्या: त्रयस्ते न पुनर्दश" – this view is of –

(A) भरतस्य (B) भामहस्य
(C) मम्मटस्य (D) भोजराजस्य

66. राजसपुराणं भवति –
राजसपुराण है –
राजसपुराण is –

(A) मार्कण्डेयपुराणम् (B) गरुड़पुराणम्
(C) अग्निपुराणम् (D) नारदीयपुराणम्

67. "..... 'महामुद्रा त्रिखण्डेति प्रकीर्त्तिता' –
".....'महामुद्रा त्रिखण्डेति प्रकीर्त्तिता है –
"..... 'महामुद्रा' is known as त्रिखण्डा –

(A) संक्षोभिणी (B) आवाहनी
(C) आकर्षणी (D) पुटाकारा

68. 'आश्रमो वैष्णवो ब्राह्मो हराश्रम इति त्रय:' – इति त्रयाणामाश्रमाणां विधानमस्ति –
'आश्रमो वैष्णवो ब्राह्मो हराश्रम' इति – तीन आश्रम का विधान है –
'आश्रमो वैष्णवो ब्राह्मो हराश्रम इति त्रय:' – In this statement there is विधान of three आश्रमs –

(A) लिङ्गपुराणे (B) ब्रह्मपुराणे
(C) कूर्मपुराणे (D) वामनपुराणे

69. "मातृका द्विविधा प्रोक्ता परा च अपरा तथा" - इत्यस्ति –
"मातृका द्विविधा प्रोक्ता परा च अपरा तथा" - यह है –
"मातृका द्विविधा प्रोक्ता परा च अपरा तथा" - is –

(A) उपनिषदि (B) गीतायाम्
(C) देवीसूक्ते (D) आगमरहस्ये

70. "संसारसागरे मग्नान् यस्तारयति देहिन:" स भवति –
"संसारसागरे मग्नान् यस्तारयति देहिन:" वह होता है –
"संसारसागरे मग्नान् यस्तारयति देहिन:" is –

(A) ब्रह्मज्ञानी (B) गुरु:
(C) गृहस्थ: (D) अर्चक:

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

71. चतु:षष्टिसहस्रधा भवन्ति प्राणिन: –

चौंसठ हजार प्रकार के प्राणी होते हैं –

There are 64 thousand प्राणीs (living beings) –

(A) अण्डजा: (B) योनिजा:

(C) उद्भिजा: (D) मनुष्या:

72. ब्रह्म सर्वक्षं सर्वशक्तिसम्पन्नमिति ज्ञायते –

ब्रह्म सर्वक्षं सर्वशक्तिसम्पन्न ज्ञात होता है –

ब्रह्म is known as सर्वज्ञ and सर्वशक्ति - सम्पन्न: –

(A) उपमानात् (B) अथीपत्या

(C) अनुमानात् (D) अपलब्ध्या

73. सदसद्विलक्षणं भवति –

सदसद्विलक्षण होता है –

सदसद्विलक्षण is –

(A) साक्षी (B) अविद्या

(C) आत्मा (D) जगत्

74. स्वाप्नपदार्थदर्शने दोषो भवति –

स्वाप्नपदार्थदर्शन में दोष है –

This is a degret in स्वाप्नपदार्थदर्शन –

(A) निद्रा (B) कामला

(C) पित्त: (D) ज्वर:

75. वेदस्यैकदेशं योऽध्यापयति स –

वेद की एक शाखा का अध्यापन करने से – कहलाते हैं _____

He who teaches only one शाखा of the veda, is called –

(A) उपाध्याय: (B) ऋत्विक्

(C) गुरु: (D) ब्रह्मा

_____

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com